तर्ज– आपके पहलू में आकर रो दिए

आपसे नजरें चुरा कर रो दिए
शान झूठी हम जता कर रो दिए

1– हमको क्या मालूम थी गुजरेगी क्या,
आपसे मुख मोड़ कर बीतेगी क्या
हम तो सब कुछ ही गंवा कर रो दिए

2– जी रहे हैं पर जिया जाता नहीं,
रास्ता कोई नजर आता नहीं
दर्द को दिल में छिपा कर रो दिए

3– पास रहकर भी बहुत ही दूरी है,
क्या खबर हाय ये क्या मजबूरी है
हाले दिल खुद को सुना कर रो दिए

Nijanand App